जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ

विद्यार्थियों को कानून, सुरक्षा एवं नागरिक दायित्वों की दी गई जानकारी

नवभारत न्यूज

मैहर 6 अगस्त, पुलिस मुख्यालय भोपाल एवं स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संचालित जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ आज सांदीपनि विद्यालय मैहर में पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह द्वारा किया गया। जहां विद्यार्थियों के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया।

अपने संबोधन में पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने विद्यार्थियों को मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य, साइबर सुरक्षा, नशे से दूरी, यातायात नियम एवं रोड सेफ्टी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज जहां आप बैठे हैं, कभी हम भी वहीं बैठा करते थे। आप सभी मन लगाकर अध्ययन करें और जीवन में उच्च पदों पर आसीन होकर अपने परिवार, समाज एवं राष्ट्र का नाम रोशन करें। यही हमारी शुभकामनाएं हैं।

छात्रों को कानूनों, अधिकारों से अवगत कराया

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को विभिन्न कानूनों, उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों, नैतिक जिम्मेदारियों, किशोर न्याय अधिनियम (JJ Act), पॉक्सो अधिनियम (POCSO Act), साइबर सुरक्षा एवं रोड सेफ्टी के संबंध में जागरूक करना है, ताकि वे भविष्य में एक जिम्मेदार एवं जागरूक नागरिक बन सकें।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि पुलिस जनता की सुरक्षा एवं सहायता के लिए कार्य करती है। बच्चों को समझाया गया कि पुलिस एवं थाना से डरने की आवश्यकता नहीं है। पुलिस से डरने की आवश्यकता केवल अपराधियों को होती है। किसी भी समस्या अथवा आपात स्थिति में बच्चे निसंकोच पुलिस से संपर्क कर अपनी बात रख सकते हैं। कार्यक्रम में एसडीओपी मैहर सुश्री ख्याति मिश्रा द्वारा विद्यार्थियों को कार्यक्रम के उद्देश्य एवं रूपरेखा से अवगत कराया गया तथा रोड सेफ्टी,साइबर अपराधों से बचाव एवं सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम में निरीक्षक श्रीमती सोनल सिंह, साधना कठेल, लक्ष्मी बागरी, रक्षित निरीक्षक दिलीप सिंह, सांदीपनी विद्यालय के प्राचार्य दिनेश पुरी, विद्यालय के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को कराया देहात थाना का भ्रमण

कार्यक्रम के उपरांत विद्यार्थियों को थाना देहात मैहर का भ्रमण कराया गया, जहां उन्होंने थाना की कार्यप्रणाली, पुलिस द्वारा किए जाने वाले विभिन्न कार्यों एवं नागरिक सहायता संबंधी प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने थाना परिसर का अवलोकन कर पुलिस व्यवस्था को निकट से समझा। जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में कानून के प्रति जागरूकता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सुरक्षा संबंधी विषयों की समझ विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है।

कलेक्टर आज नागौद में, जन सुनवाई भी करेंगे

नागौद 6 अगस्त, सतना जिले के कलेक्टर 7.8.2026 को जनपद पंचायत नागौद का भ्रमण करेंगे। इस दौरान वे जन विश्वास समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं भी सुनेंगे। कार्यक्रम के अनुसार कलेक्टर का आगमन सुबह 10.30 बजे जनपद पंचायत नागौद में होगा। इसके बाद सुबह 10.30 से दोपहर 1.00 बजे तक जनपद पंचायत सभागार में जन विश्वास समाधान/जन सुनवाई आयोजित की जाएगी। इसके पूर्व सुबह 9.30 से 10.30 बजे तक जनपद सभागार में खण्ड स्तरीय बीएलसीसी/बीएल बीसी की बैठक भी होगी। भ्रमण के दौरान कलेक्टर आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 01 नगर परिषद नागौद, संदीपनी विद्यालय नागौद, कृषि उपज मण्डी नागौद, सिविल अस्पताल नागौद का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वे दोपहर 3.30 बजे सिंहपुर नवीन तहसील भवन, 4.00 बजे ग्राम पंचायत भैंहाई में माँ की बगिया, 4.30 बजे गौशाला एवं शाम 5.00 बजे ग्राम पंचायत रेकुआखुर्द के तालाब का निरीक्षण करेंगे। कार्यक्रम के अंत में शाम 5.30 बजे वे सतना मुख्यालय के लिए प्रस्थान करेंगे। कार्यक्रम की जानकारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नागौद दी।

लाखों रुपये के भुगतान, बांस भीरा सफाई की भौतिक स्थिति शून्य

नवभारत न्यूज

रामनगर 6 अगस्त, मैहर जिले के वन मण्डल क्षेत्र रामनगर में बांस भीरा पर कराए गए सफाई कार्य को लेकर सवाल खडे होना लाजमी हैं। रामनगर सर्किल के बीटों पर बांस भीरा सफाई कार्य की वास्तविक स्थिति बीटों मे दिखाई नहीं देती, जबकि संबंधित कार्य के नाम पर लाखों रुपये का भुगतान किए जाने की बात की चर्चा जोरों से हो रही है।

जंगल क्षेत्र से लगे गांव के ग्रामीण जो मार्च अप्रैल में बांस भीरा पर मजदूरी का कार्य किया करते थे का कहना है कि यदि स्थल का निरीक्षण किया जाए तो सफाई कार्य की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। उनका कथित आरोप है कि कागजों में कार्य पूर्ण दिखाकर सरकारी राशि का भुगतान कर जुम्मेवार तंत्र द्वारा स्वयं दोहन दिया गया है। जबकि भौतिक स्थिति प्रत्यक्ष नजारा करने मे धरातल पर अपेक्षित कार्य नजर ही नहीं आएगा। निष्पक्ष जांच, भुगतान से संबंधित अभिलेखों का निरीक्षण किया जाए तो बांस भीरा के नाम पर जिम्मेवार तंत्र का हिस्सा द्वारा किया गया बड़ा घोटाला प्रशासन के समाने होगा।

विधायक डॉ राजेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में होगा विशाल जनांदोलन

नवभारत न्यूज

अमरपाटन 6 अगस्त, बिजली के जले ट्रांसफार्मर ओर खाद संकट को लेकर सौंपे गए ज्ञापन के बाद आज दिनांक तक मांगे पूरी न होने पर आगामी 12 तारीख को मैहर जिले के अमरपाटन विधानसभा क्षेत्र से विधायक डॉ राजेंद्र कुमार सिंह दादा भाई के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं किसान व ग्रामजनों के द्वारा विशाल जनांदोलन करते हुए एसडीएम कार्यालय का घेराव किया जाएगा, पूर्व में यह कार्यक्रम 10 तारीख को

निश्चित किया गया था पर किसी कारण वश तारीख के बदलाव करते हुए 12 अगस्त का दिन सुनिश्चित किया गया है इस आंदोलन में प्रदेश महासचिव विक्रमादित्य सिंह गिनी भैया के भी उपस्थित रह सकते है। विशाल धरना प्रदर्शन में विधानसभा क्षेत्र के बडी संख्या में किसान वा कांग्रेस जन उपस्थित रहेंगे।

नागौद में पटवारियों की कलमबंद हड़ताल जारी

अनिश्चितकालीन हड़ताल से राजस्व कार्य प्रभावित

नवभारत न्यूज

नागौद 6 अगस्त, मध्य प्रदेश पटवारी संघ, तहसील इकाई नागौद के आह्वान पर पटवारी अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर 3 अगस्त 2026 से अनिश्चितकालीन कलमबंद हड़ताल पर बैठे हुए हैं।

पटवारी संघ को प्रमुख मांगों में कैडर रिव्यू एवं पदोन्नति, विभागीय परीक्षा का आयोजन, लंबित मानदेय का भुगतान, राजस्व न्यायालयीन मामलों में संरक्षण (प्रोटेक्शन) तथा पारदर्शी स्थानांतरण नीति शामिल हैं। संघ का कहना है कि उनकी वर्षों पुरानी मांगों के निराकरण के लिए यह आंदोलन आवश्यक था जब तक मांगें पूरी नहीं होगी आंदोलन जारी रहेगा।पटवारियों की कलमबंद हड़ताल के चलते पीएम किसान, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, किसान एवं राजस्व संबंधी कई कार्य प्रभावित हो रहे हैं, जिससे आम नागरिकों और किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उप तहसील मर्यादपुर में नियमित सुनवाई की मांग तेज

- अधिवक्ता संघ ने कलेक्टर को लिखा पत्र

नवभारत न्यूज

बड़ा इटवां 6 अगस्त, उप तहसील मर्यादपुर (झिन्ना) में लंबे समय से नायब तहसीलदार की नियमित उपस्थिति नहीं होने के कारण क्षेत्रवासियों को राजस्व संबंधी कार्यों के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

इस मुद्दे को लगातार उठा रहे समाजसेवी एवं अधिवक्ता अखिलेश कुमार द्विवेदी की मांग को अब अधिवक्ताओं का भी समर्थन मिल गया है। अधिवक्ता संघ अमरपाटन के अध्यक्ष ने कलेक्टर मैहर को पत्र भेजकर उप तहसील मर्यादपुर में नियमित रूप से नायब तहसीलदार की पदस्थापना एवं सुनवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि उप तहसील की स्थापना का उद्देश्य स्थानीय नागरिकों को उनके क्षेत्र में ही राजस्व संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराना है, लेकिन नियमित अधिकारी के नहीं बैठने से शासन की मंशा पूरी नहीं हो पा रही है और आमजन को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। समाजसेवी एवं अधिवक्ता अखिलेश कुमार द्विवेदी ने बताया कि क्षेत्र के ग्रामीणों को नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन एवं अन्य राजस्व संबंधी कार्यों के लिए दूरस्थ तहसीलों के चक्कर लगाने पड़ते हैं, जिससे समय और धन दोनों की अनावश्यक हानि होती है।

उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि उप तहसील मर्यादपुर में नियमित रूप से नायब तहसीलदार की बैठक एवं सुनवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को स्थानीय स्तर पर समयबद्ध न्याय और सुविधाएं मिल सकें।

अब क्षेत्रवासियों की निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं। सभी को उम्मीद है कि जनहित से जुड़े इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेकर उप तहसील मर्यादपुर में नियमित राजस्व सुनवाई शुरू कराई जाएगी।

घायल बंदर घर में घुसा, जू सफारी कर्मचारियों ने रेस्क्यू कर पकड़ा

नवभारत न्यूज

मुकुन्दपुर 6 अगस्त, मैहर जिले के अमरपाटन विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत व्हाइट टाइगर सफारी एवं जू सेंन्टर आधीन मुकुन्दपुर में एडवोकेट राज नारायण मिश्रा के घर के दूसरी मंजिल पर घायल बंदर घुस गया।

जहां पर दीवाल में स्तर का कार्य मजदूरों द्वारा चल रहा था।और मजदूरों को वह बंदर भयभीत कर रहा था जिसकी जानकारी मीडिया कर्मी के माध्यम से व्हाइट टाइगर सफारी जू सेंटर मुकुन्दपुर के संचालक (एसडीओ) रामेश्वर सिंह टेकाम को दी गयी। जिसमें श्री टेकाम ने मामले को गम्भीरता से लेते हुए अधीनस्थों को आदेश देकर रेस्क्यू दल को भेजा गया।श्री टेकाम के कुशल मार्गदर्शन में कलीम खान वनपाल,अभिषेक विश्वकर्मा वन रक्षक,सीताराम पाल,पप्पू कोल ,नीलेश साकेत आदि के द्वारा पिजड़े में बड़े मशक्कत के साथ घायल बंदर को कैद कर जू सेंटर ले जाया गया। कैद होते हीं मजदूरों ने राहत की सांस ली।

वेतन नहीं मिलने से रामपुर के दो हजार शिक्षक परेशान

नवभारत न्यूज

रामपुर बाघेलान 6 अगस्त, रामपुर बघेलान विकासखंड अंतर्गत कार्यरत करीब दो हजार शिक्षक अभी तक वेतन नहीं मिलने से भारी परेशानी में है जबकि शासन के स्पष्ट निर्देश है कि महीने की प्रथम तारीख को शिक्षकों का वेतन हर हाल में उपलब्ध करा दिया जाए ।

समय पर वेतन नहीं मिलने से परेशान शिक्षकों ने बताया है कि वेतन नहीं मिलने से बच्चों की फीस गाड़ी की किस्त दूध वाले का कर्ज बाहर पढ़ रहे बच्चों के मकान का किराया किराना सब्जी बाले की उधारी बकाया है जिसकी वजह से रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं खरीदने में परेशानी होती है मिली जानकारी के अनुसार रामपुर बघेलान विकासखंड अंतर्गत 1980 शिक्षक कार्यरत हैं इसके अलावा करीब 400 अतिथि शिक्षक शिक्षा के कार्य में संलग्न किए गए हैं इसके अलावा शिक्षकों के डीए एरियर्स का भुगतान भी कई वर्षों से लंबित है जिसका भुगतान अभी तक नहीं हो पाया है समय पर वेतन नहीं मिलने से परेशान शिक्षकों ने बताया है कि आगामी समय त्योहारों का सीजन है उसके लिए भी उन्हें खरीदारी करनी है जिससे पहले से ही उधार लिया हुआ है वह रास्ता रोक कर अपने पैसे की मांग करते हैं। शिक्षकों ने जिला कलेक्टर से जल्द वेतन दिलवाई जाने की मांग की है।

इनका कहना है

विकासखंड अंतर्गत कुल 13 संकुल प्राचार्य केंद्र हैं जिनमें से दो संकुल प्राचार्यों ने अभी तक देयक प्रस्तुत नहीं किया है इसकी वजह से वेतन भुगतान में विलंब हुआ है ऐसे लापरवाह प्राचार्यों को जल्द ही नोटिस जारी करके जवाब तलब किया जाएगा एवं दो दिवस के अंदर शिक्षकों के वेतन का भुगतान करवा दिया जाएगा

गरुण प्रताप सिंह
विकासखंड शिक्षा अधिकारी
रामपुर बघेलानन

चौथे दिन भी जारी रही पटवारियों की कलमबंद हड़ताल

नवभारत न्यूज

रामपुर बाघेलान, 6 अगस्त। मध्यप्रदेश पटवारी संघ के प्रदेशव्यापी आह्वान पर चल रही अनिश्चितकालीन कलमबंद हड़ताल गुरुवार को चौथे दिन भी तहसील इकाई रामपुर बाघेलान में पूरे उत्साह एवं अनुशासन के साथ जारी रही। बड़ी संख्या में पटवारी निर्धारित धरना स्थल पर उपस्थित रहे और अपनी मांगों के समर्थन में एकजुटता का परिचय दिया।

हड़ताल के दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष रावेन्द्र सिंह %छोटू%, तहसीलदार रमेश कोल, नायब तहसीलदार वीरेन्द्र सिंह एवं नायब तहसीलदार मंगलेश्वर सिंह धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने पटवारियों से चर्चा की तथा उनके आंदोलन के प्रति नैतिक समर्थन व्यक्त किया। संघ पदाधिकारियों ने बताया कि आज हड़ताल के चौथे दिन शासन स्तर पर संघ एवं शासन के बीच वार्ता का दौर जारी है। संघ की प्रमुख मांग कैडर रिव्यू के संबंध में शासन चर्चा के लिए तैयार है, किंतु अब तक वार्ता से कोई सार्थक एवं ठोस परिणाम सामने नहीं आया है। संघ को आशा है कि शासन सकारात्मक पहल करते हुए पटवारी संवर्ग की लंबित मांगों के समाधान की दिशा में शीघ्र निर्णय लेगा। संघ ने स्पष्ट किया कि जब तक शासन स्तर से ठोस एवं सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक प्रदेशभर के पटवारियों की अनिश्चितकालीन कलमबंद हड़ताल पूर्ववत जारी रहेगी। साथ ही, सभी पटवारियों से शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं एकजुट रहकर आंदोलन को सफल बनाने का आह्वान किया गया।

पद्मश्री मोहन नागर का ग्रामोदय विश्वविद्यालय में हुआ सम्मान

नवभारत न्यूज

चित्रकूट, 6 अगस्त । महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में गुरुवार को पद्मश्री सम्मान से अलंकृत एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर के आगमन पर उनका आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने उन्हें पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर अभिनंदन किया।

इस अवसर पर रजत जयंती भवन स्थित कुलगुरु कक्ष में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम (सी.एम.सी.एल.डी.पी.) के अंतर्गत संचालित बैचलर ऑफ सोशल वर्क (बी.एस.डब्ल्यू.) एवं मास्टर ऑफ सोशल वर्क (एम.एस.डब्ल्यू.) पाठ्यक्रमों के गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी संचालन को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता, सामुदायिक सहभागिता, व्यवहारिक प्रशिक्षण, क्षेत्रीय कार्य, विद्यार्थियों के कौशल विकास तथा समाजोपयोगी गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने पर चर्चा की गई। साथ ही यह विचार व्यक्त किया गया कि सामाजिक कार्य शिक्षा को ग्रामीण विकास एवं सामुदायिक नेतृत्व से जोड़कर विद्यार्थियों को समाज की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया जाए।

कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने कहा कि ग्रामोदय विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना ही नहीं, बल्कि ऐसे संवेदनशील और सक्षम युवा तैयार करना है, जो समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की योजनाओं का लाभ पहुँचाने में सक्रिय भूमिका निभा सकें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम समाज और शिक्षा के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य कर रहा है। बैठक में सी.एम.सी.एल.डी.पी. के निदेशक प्रो. अमरजीत सिंह तथा मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के संभागीय समन्वयक प्रवीण पाठक भी उपस्थित रहे। सभी ने पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा विद्यार्थियों के व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं सामुदायिक सहभागिता को विस्तार देने पर अपने विचार व्यक्त किए। इसमें सामाजिक कार्य शिक्षा को अधिक प्रभावी, रोजगारोन्मुखी तथा समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने की दिशा में विभिन्न सुझावों पर सार्थक चर्चा की गई।

दो माह से सचिव विहीन है ग्राम पंचायत अकौना

- कारण बताओ नोटिस प्राप्त रोजगार सहायक के भरोसे चल रही पंचायत

नवभारत न्यूज

कोटर 6 अगस्त, मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार भले ही सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही के बड़े-बड़े दावे करती हो, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों से बिल्कुल अलग नजर आ रही है।

इसका ताजा उदाहरण जनपद पंचायत रामपुर बाघेलान की ग्राम पंचायत अकौना है, जहां अतिरिक्त प्रभार समाप्त हुए दो माह बीत चुके हैं, लेकिन आज तक न तो नियमित सचिव की नियुक्ति की गई और न ही किसी अन्य सचिव को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। जिला पंचायत सतना द्वारा 15 जून 2026 को जारी स्थानांतरण आदेश के तहत ग्राम पंचायत तिहाई के सचिव श्रीकांत त्रिपाठी, जो अकौना का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे थे, उनका स्थानांतरण ग्राम पंचायत बकिया बैलो कर दिया गया। उनके हटते ही अकौना का अतिरिक्त प्रभार स्वत: समाप्त हो गया। इसके बावजूद प्रशासन ने पंचायत में सचिव की व्यवस्था करना जरूरी नहीं समझा। स्थिति को और गंभीर इसलिए माना जा रहा है क्योंकि उपलब्ध विभागीय अभिलेखों के अनुसार ग्राम रोजगार सहायक श्रीमती आरती सिंह को प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़े एक प्रकरण में विभाग द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया जा चुका है और उनसे स्पष्टीकरण भी मांगा गया था। ऐसे में जिस पंचायत में विभागीय स्तर पर पहले से जवाब-तलब की स्थिति रही हो, वहां सचिव का पद लंबे समय तक खाली छोड़ देना प्रशासनिक गंभीरता पर सवाल खड़े करता है। ग्रामीणों का कहना है कि सचिव के अभाव में पंचायत के प्रशासनिक कार्य, योजनाओं की निगरानी, अभिलेखों का संधारण तथा आमजन के जरूरी काम प्रभावित हो रहे हैं। उनका आरोप है कि शासन की प्राथमिकताओं में ग्रामीण प्रशासन और जवाबदेही पीछे छूट गई है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सरकार पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन का दावा करती है, तब ग्राम पंचायत अकौना जैसी पंचायत को दो माह तक सचिवविहीन क्यों रखा गया? क्या ग्रामीणों की समस्याएं सरकार की प्राथमिकता नहीं हैं, या फिर स्थानीय प्रशासन ने शासन के दावों को केवल कागजों तक सीमित कर दिया है?

ग्रामीणों ने की सचिव नियुक्ति की मांग

ग्रामीणों ने मांग की है कि ग्राम पंचायत अकौना में तत्काल सचिव की नियुक्ति की जाए तथा पंचायत प्रशासन को नियमित और जवाबदेह बनाया जाए। अकौना का मामला अब केवल एक पंचायत का मुद्दा नहीं, बल्कि भाजपा सरकार के सुशासन के दावों और जमीनी हकीकत के बीच के अंतर को उजागर करने वाला उदाहरण बनता जा रहा है।

प्रसिद्ध पंपापुर-कोटितीर्थ का होगा कायाकल्प, डीएम ने किया निरीक्षण

सड़क, रेलिंग, टीन शेड व पेयजल व्यवस्था के दिए निर्देश

अमर सिंह राठौर

चित्रकूट 6 अगस्त। मध्यपदेश की सीमा हनुमान धारा से जुड़ा प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक महत्व के लिए विश्व प्रसिद्ध देवांगना घाटी स्थित पौराणिक कोटितीर्थ पंपापुर का जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने गुरुवार को स्थलीय निरीक्षण किया।

भ्रमण के दौरान उन्होंने कहा कि यह स्थल प्राकृतिक रूप से अत्यंत रमणीय और धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि यहां मूलभूत सुविधाओं का विकास किया जाए तो यह देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन सकता है। इसी को देखते हुए उन्होंने आवागमन के जर्जर मार्ग के निर्माण, यात्रियों के लिए टीन शेड, पेयजल, नियमित साफ-सफाई सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान स्थानीय साधु-संतों और ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को बताया कि पंपापुर देवांगना अति प्राचीन एवं सिद्ध तपोस्थली है। यहां जानकी कुंड नेत्र चिकित्सालय के संस्थापक पूज्य संत रणछोड़ दास जी महाराज ने वर्षों तक तपस्या की थी और इसी स्थान पर उन्हें सिद्धि प्राप्त हुई थी। वर्तमान समय में संत प्रेमदास जी महाराज यहां तपस्यारत हैं और देश-प्रदेश के लोगों के कल्याण की कामना में साधना कर रहे हैं।

जिलाधिकारी को बताया गया कि इस तपोस्थली पर प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं। वहीं गुरु पूर्णिमा, प्रत्येक अमावस्या और विशेष रूप से दीपावली अमावस्या मेले के अवसर पर यहां लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। पहाड़ी के नीचे स्थित गुफा में सिद्ध बजरंगबली की प्रतिमा विराजमान है, जिसके दर्शन के लिए दूर-दूर से भक्त पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि सच्ची श्रद्धा और भक्ति से मांगी गई मनोकामनाएं यहां अवश्य पूर्ण होती हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या और उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी ने पहाड़ी मार्ग के दोनों ओर रेलिंग लगाने के निर्देश दिए। साथ ही नीचे से गुफा तक जाने वाली सीढ़ियों की मरम्मत कराने, यात्रियों के बैठने एवं भजन-कीर्तन की व्यवस्था के लिए टीन शेड का निर्माण कराने, नियमित सफाई अभियान चलाने और पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ करने के भी निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान स्थानीय श्रद्धालु योगेश जैन और सभासद शंकर यादव ने जिलाधिकारी को क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। जिलाधिकारी ने सभी समस्याओं के शीघ्र और गंभीरता से समाधान कराने का आश्वासन दिया। वही मध्य प्रदेश सरकार चित्रकूट उत्तर प्रदेश के सामने विकास से कोसों दूर है

इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी महिमा विद्यार्थी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।